सम्पूर्णता वर्ष

साक्षीभाव व समभाव सप्ताह – 2

08.11.2014

1. **स्वमान** – मैं ब्रह्मा बाप समान **साक्षीद्रष्टा** फरिश्ता हूँ।

2. **योगाभ्यास** –

अ. मैं ब्रह्मा बाप समान डबल लाइट फरिश्ता हूँ...देह का कोई भान नहीं...हड्डी-माँस का नाम नहीं...बस लाइट ही लाइट...मैं भी लाइट का शरीरधारी और दूसरे भी लाइट के शरीरधारी...जैसे अव्यक्त वतन नीचे ही आ गया हो...।

ब. सारे दिन में अनेक बार वतन में जाकर सम्पूर्ण ब्रह्मा बाबा को देखें...उनके पास बैठें...उनसे प्यार भरी रुहरिहान करें - `प्यारे बाबा ! आप अव्यक्त फरिश्ता कैसे बनें...? मुझे वैसा बनने के लिए क्या-क्या पुरुषार्थ करना होगा...?? ओ मीठे बाबा...ओ प्यारे बाबा...अब मैं भी शीघ्रातिशीघ्र आपके समान बन जाऊँ, बस दिल में यही एक तमन्ना है...।`

स. रोज सबेरे उठते ही अनुभव करें कि मैं फरिश्ता इस देह में ऊपर से आया हूँ...मैं इस देह में अवतरित फरिश्ता हूँ...मेरे अंग-अंग से प्योर वायब्रेशन्स फैल रहे हैं...और सारी सृष्टि को प्योर बना रहे हैं...।

द. अपने फरिश्ते स्वरुप के द्वारा वतन में जाकर स्वयं को बापदादा से सर्वशक्तियों की किरणों से चार्ज करें और फिर संसार के भिन्न-भिन्न स्थानों पर जाकर सकाश दें...।

3. **धारणा – साक्षीभाव**

- `साक्षी बनकर ड्रामा के हर दृश्य को वा हर एक आत्मा के पार्ट को देखो, तब किसी को भी क्षमा कर सकेंगे। यह साक्षीपन की स्थिति ड्रामा के अन्दर हीरो पार्ट बजाने में सहयोगी होती है।`
- `ड्रामा की ढाल व ड्रामा के पट्टे पर हर कर्म और संकल्प तभी चलेंगे जब साक्षी वा द्रष्टापन की अवस्था होगी। यही साकार ब्रह्मा बाप के सम्पूर्ण स्थिति के लक्षण थे।` - **शिवभगवानुवाच**

4. **चिंतन** –

- साक्षीभाव अर्थात् क्या ? कौन सी बातें हमें साक्षी नहीं होने देतीं ?
- सदा साक्षीभाव में रहने के लिये क्या करें ?
- साक्षीभाव के लिये बापदादा के महावाक्य ?

5. **तपस्वियों प्रति** – प्रिय तपस्वियों ! प्यारे बापदादा हमसे लंबे अरसे से हमारी सम्पन्नता व सम्पूर्णता के लिए डेट फिक्स करने की बात कहते आ रहे हैं। वे हमें अल्प अवधि के होमवर्क देकर उस ओर बढ़ा भी रहे हैं। अब हम पर निर्भर करता है कि हम कितनी दृढ़ता और समर्पणता के साथ बापदादा के दिए होमवर्क को करते हैं और अपनी सम्पूर्णता को समीप लाते हैं। तो आइये, हम सम्पन्न-सम्पूर्ण बनने के लिए अपनी एड़ी-चोटी एक कर दें।